एसकेएमयू (दुमका) के तत्वावधान में आयोजित तृतीय दीक्षांत समारोह 2012

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विकास हेतु सार्थक प्रयास की जरुरत–राज्यपाल डॉ0 सैयद अहमद

अमरेन्द्र सुमन

किसी भी राज्य का समग्र विकास शिक्षा के व्यापक प्रचार–प्रसार से ही सुनिश्चित किया जा सकता है। हमारे देश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या काफी कम है। ऑकड़ों पर गौर करें तो उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या महज 6–7 फीसदी है, जबकि विकसित देशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं का प्रतिशत 40 से भी अधिक है। भारत को विकसित देशों की श्रेणी में लाने के लिये उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विकास हेतु सार्थक प्रयास की आवश्यकता है। विरसा मुण्डा आउटडोर स्टेडियम, दुमका में दीक्षांत समारोह के अवसर पर अपने अभिभाषण में झारखण्ड के राज्यपाल सह कुलाधिपति डॉ0 सैयद अहमद के उपरोक्त विचार काफी प्रभावित कर गया। कुलाधिपति ने इस अवसर पर कहा राज्य में स्थापित तमाम विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र नियमित हो, सिन्डिकेट व सिनेट की बैठकें निर्धारित समय पर आहुत हों, परीक्षा फल समय से प्रकाशित हो, और विश्वविद्यालयों के पास जो भी आधारभूत संरचनाऐं हों उसका पूर्ण सदुपयोग हो इसके लिये बेहतर प्रयास हमें करने होगें। उन्होनें कहा हमारे राज्य में स्थापित विश्वविद्यालयों की गिनती देश के बेहतर व उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों में हों व बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुलभ हो, इस हेतु कुलपति समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ राजभवन रॉची में निरंतर समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। विश्वविद्यालयों से जुड़े छात्र–छात्राओं से लेकर शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मचारियों से संबंधित न्यायालयों में लंबित मामलो की जब जानकारी होती है तो मुझे काफी दुःख होता है। मुख्य न्यायाधीश, झारखण्ड व झालसा के अध्यक्ष से संपर्क स्थापित कर लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निष्पादन का आग्रह किया गया ताकि विश्वविद्यालयों के कर्मियों को राहत प्राप्त हो सके। उन्होनें कहा बिना विजन के हम आगे नहीं बढ़ सकते। विजन को मूर्त रुप प्रदान करने के लिये कर्म, लगन, निष्ठा, उद्यम, साहस व समर्पण की जरुरत है। राज्यपाल डॉ0 सैयद अहमद ने कहा आज का युग ग्लोबलाईजेशन का युग है। हमें रोजगार परक शिक्षा के स्तर को उठाना होगा। शिक्षा केवल नौकरी प्राप्त करने का ही जरिया न बनकर स्वाबलंबी और आत्मनिर्भर बनने का माध्यम बने। विगत कुछ वर्षों से राज्य के विश्वविद्यालयों में व्यवसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम का प्रारंभ इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिये किया गया है। इस अवसर पर सूबे के उप मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, मानव संसाधन विकास मंत्री बैद्यनाथ राम, राज्यपाल के प्रधान सचिव ए0के0पाण्डेय, कुलपति सिदो कान्हु मुर्मू विवि, दुमका के कुलपति प्रो0 (डॉ0) एम0बशीर अहमद खान, प्रति कुलपति डॉ0 राम यतन प्रसाद, कुलसचिव डॉव अरविन्द कुमार झा, वित्त सलाहकार श्रीनाथ सहाय, वित्त पदाधिकारी डॉ0 नवीन कुमार सिन्हा, महाविद्यालय निरीक्षक (आर्टस एवं कार्मर्स) डॉ0 अखिलानन्द पाठक, डॉ0 प्रकाश कुमार सिंह (कॉर्डिनेटर कॉलेज डवलपमेंट कमिटी) विकास पदाधिकारी सुजीत कुमार सोरेन, मीडिया कॉर्डिनेटर डॉ0 शंभु कुमार सिंह, स्पोर्टस डायरेक्टर राजीव केरकेट्टा, ओएसडी स्पोर्टस, आईक्वैक व सीबीसीएस क्रमशः डॉ0 शम्स तवरेज खान व डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 अमरनाथ झा, ओएसडी वित्त डॉ0 डी0एन0गोराई, विवि लाईब्रेरियन डॉ0 अजीत कुमार सिंह, सहायक

कुलसचिव डॉ0 शंभु प्रसाद सिंह, सहायक कुलसचिव इग्नेसियस मराण्डी व राज कुमार झा, फेकल्टी ऑफ हयूमिनीटिज (डीन) डॉ0 एन0के0अम्बष्टा, फेकल्टी ऑफ सोसल साइंस (डीन) डॉ0 वाई0पी0राय, फेकल्टी ऑफ साइंस (डीन) डॉ0 सीता राम सिंह, फेकल्टी ऑफ कॉर्मस (डीन) के0डी0 शर्मा, विवि अन्तर्गत तमाम महाविद्यालयों के प्राचार्य, विवि के वरीय पदाधिकारीगण, व अन्य लोग मौजूद थे। विवि के कुलपति प्रो0(डॉ)

एम0बशीर अहमद खान ने स्वागत भाषण पढ़ा तथा विवि के क्रमबद्ध विकास में शिक्षा तथा छात्रों की सहभागिता का व्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होनें कहा इस विवि में छात्रों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अधिक से अधिक राहत प्रदान हो ऐसी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कई डिपार्टमेंट, व्यवसायिक शिक्षा से संबंधित कोर्स, लॉ की पढ़ाई, मेनेजमेंट सिस्टम, व ऐसे ही अन्य कई पाठ्यक्रमों का प्रारंभ किया गया है ताकि संताल परगना प्रमण्डल के गरीब और लाचार विद्यार्थी को इसी विवि में उपरोक्त सुविधाऐं प्रदान की जा सके। उन्होनें कहा छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिये विवि हर संभव उन्हें सुविधाऐं उपलब्ध कराने के लिये प्रयासरत है।

शिष्ट आचरण के साथ अपनी संस्कृति व प्रकृति दोनों की रक्षा करनी है–हेमन्त सोरेन

गत वर्ष सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के तत्वावधान में आयोजित दीक्षांत समारोह में केन्द्रीय मंत्री प्रणव मुखर्जी के समक्ष इस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने की मांग की गई थी लेकिन किसी कारण वश वह पूरा नहीं हो सका। स्थानीय विधायक व जनप्रतिनिधि होने के नाते विशेष पैकेज के साथ इस विवि को केन्द्रीय विवि का दर्जा प्राप्त हो यह मांग फिर से दुहराता हूँ। दीक्षांत समारोह 2012 के अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि के रुप में सूबे के उप मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उपरोक्त बातें कही। श्री सोरेन ने कहा झारखण्ड सरकार इस अभाव ग्रस्त विवि की पूर्ण सहायता के लिय हर संभव प्रयासरत है। विवि के कुलपति डॉ0एम0बशीर अहमद खान की भूरी–भूरी प्रशंसा करते हुए श्री सोरेन ने कहा इस विवि में उनके आगमन से बेहतर शिक्षा की फिजा ही बदल गई है। डॉ0 खान ने इस विवि को आगे बढ़ाने के लिये जो कदम उठाए हैं वह अतुलनीय है। श्री सोरेन ने कहा विवि में विभिन्न शोधों के माध्यम से समाज के हित की बातें उठायी जा रही है। राष्ट्रीय व अन्तर राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन कर देश–विदेश से विद्वानों के साथ सेमिनार करवा कर विचारों के आदान–प्रदान का सार्थक प्रयास किया गया है। यूनिवरसिटी मैनेजमेंट सिस्टम की स्थापना कर युवाओं को प्रतिदिन की हो रही परेशानी से विवि ने निजात दिलाने का प्रारंभिक प्रयास किया है। दीक्षांत समारोह में आमंत्रित छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा युवाओं को आगे बढ़ते रहना है। देश के आदर्श नागरिक बन कर चुनौतियों का सामना करना उनका उनका दायित्व है। संविधान के दायरे में रहकर और अपने बुद्धि–विवेक से आगे बढ़ते रहना है। उन्होनें कहा शिष्ट आचरण के साथ अपनी संस्कृति व प्रकृति दोनों की रक्षा करनी है। विवि के तमाम वरीय प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ–साथ विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक–शिक्षकेत्तर कर्मचारियों, प्रबुद्ध नागरिकों, समाजसेवी ,छात्र–छात्राओं तथा अन्य आमंत्रित अतिथियों की मौजूदगी में श्री सोरेन ने कहा अलग–अलग विभागों सहित कई तरह के पाठ्यक्रमों का प्रारंभ विवि की उँची उड़ान को दर्शाता है। इस अवसर पर राज्य समन्वय समिति के सदस्यद्वय अभय कांत प्रसाद व अधिवक्ता विजय सिंह, नगर पर्षद अध्यक्षा अमिता रक्षित, उपाध्यक्ष गरीब दास, पूर्व जैक पार्षद अमीन खॉ, सदान एकता परिषद् के

केन्द्रीय अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा, दुमका चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मो0 शरीफ, उपायुक्त, दुमका प्रशान्त कुमार, एस0पी0 हेमन्त टोप्पो व अन्य प्रशासन के लोग दीक्षांत समारोह में मॉजूद थे।

शिक्षा के बिना मनुष्य पशुवत है–मंत्री बैद्यनाथ राम

प्राचीन काल में गुरुकुलों में शिक्षा दी जाती थी। शिक्षा के पश्चात उन्हें व्यवहारिक जीवन में आने के लिये गुरु मंत्र दिया जाता था, वही दीक्षा कही जाती है। विवि स्तर पर उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्र अपनी मेहनत से साधना पूरी करते हैं। उन्हें अध्ययन के क्रम में कई परीक्षाऐं देनी पड़ती हैं। उन परीक्षाओं में उत्तीर्णता प्राप्त कर वे इस योग्य बन पाते हैं कि हम उन्हें उपाधियॉ प्रदान करते हैं। इस दीक्षांत समारोह के पुनीत अवसर पर छात्र अपनी उपाधियॉ लेकर घर जाऐं और संकल्प लें कि अपनी सृजनात्मक क्षमता से समाज, प्रान्त और देश की उन्नती–तरक्की में वे पूरी सहभागिता निभाऐगें। दीक्षांत समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्री बैद्यनाथ राम ने इस रुप में अपने उद्‌गार प्रकट किये। उन्होनें कहा सूबे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है इसका उन्हें गर्व है। उन्होनें कहा शिक्षा के बिना मनुष्य पशुवत है। इसके बिना वह अपनी पहचान नहीं बना सकता। उन्होनें कहा एसकेएमयू में सीबीसीएस के तहत सेमेस्टर प्रणाली से पढ़ाई प्रारंभ कर दी गई है। इस प्रणाली के तहत अब छात्र–छात्राओं का सतत् मूल्यांकन हो सकेगा।

दीक्षांत समारोह में कुल 8690 छात्र–छात्राओं को दी गई डिग्रीयॉ

दीक्षांत समारोह 2012 में कुल 8690 लोगों को डिग्रीयॉ प्रदान की गई। कला संकाय (डिग्री) 2010 के जहॉ 4750 विद्यार्थियों को अवार्ड प्रदान किया गया वहीं विज्ञान संकाय से 661 तथा वाणिज्य संकाय से 419 छात्र–छात्राओं को डिग्रीयॉ दी गई। शिक्षा संकाय –2011 के कुल 713 लोगों को सम्मानित किया गया। पीजी कला संकाय 2008 व 2009 के कुल 1740, पीजी विज्ञान संकाय 2008 व 2009 के 153, पीजी वाणिज्य संकाय 2008 व 2009 के 183 छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस प्रकार पीजी 2008 व 2009 के तीनों संकायों को मिलाकर कुल 2076 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मास्टर ऑफ एजुकेशन व डॉक्टर ऑफ फिलोसॉफी के क्रमशः 36 व 35 छात्र–छात्राओं को इस दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया।

पीएच0डी की उपाधि से सम्मानित हुए चौदह लोग

दीक्षांत समारोह में मो0 शाहनवाज रिजवी व मो0 हनीफ (दोनो अंग्रेजी विषय में) मधुसूदन दत्ता व इन्द्राणी प्रसाद (दोनों हिन्दी विषय) प्रदीप कुमार गोराईं व शुभेन्दु विकास मंडल

(दोनों बंग्ला विषय)व राजकिशोर हॉसदा (संताली) को डॉक्टर ऑफ फिलोसॉफी (हयूमनिटिज) से सम्मानित किया गया। विज्ञान संकाय में संजीव कुमार सिन्हा व सत्यमूर्ति झा को (रसायन विज्ञान) प्रवीण कुमार (भौतिकी) अर्वणा राय (जन्तु विज्ञान) में पीएच0डी की उपाधी से सम्मानित किया गया। इसी तरह समाज विज्ञान के संकाय में एजाज अहमद व अनूप कुमार साह (दोनों इतिहास) तथा ब्रजेश कुमार चौधरी को अर्थशास्त्र में पीएच0डी उपाधि से सम्मानित किया गया।

———————————————————————————————————————

वर्ष 2012 के दीक्षांत समारोह में कुल 56 टॉपर्स हुए गोल्ड मेडल से सम्मानित

इस अवसर पर एस0 पी0 कॉलेज, गरिमा को बेस्ट ग्रेजुएटस अवार्ड के गोल्ड मेडल से नवाजा गया। विवि सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2010 की ऑनर्स परीक्षा में गणित विषय में कुल 725 अंक प्राप्त कर महाविद्यालय का सम्मान बढाया था। वर्ष 2011 की बीएड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कानूप्रिया व वर्ष 2011 की एमएड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली डिप्सर कॉलेज की छात्रा सुधा रानी को को भी गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में कुल 56 टॉपर्स को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

———————————————————————————————————————

वर्ष 2010 की डिग्री परीक्षा के वे टापर्स जिन्हें सम्मानित किया गया दीक्षांत समारोह 2012 के अवसर पर

गरिमा, नित्याश्री व पूजा भारती(एस0 पी0 कॉलेज,दुमका) पुष्पा (एस0पी0एम0दुमका) रेशम विजय रत्ने, सीमा व शर्मीन यासिन (ए0एन0कॉलेज, दुमका) कुमारी प्रिया व आदित्य सिंह (देवघर कॉलेज देवघर) पूर्णिमा कुमारी (आरडी बाजला कॉलेज, देवघर)मो0 महताब आलम, हिमांशु घोष व प्रियंका राज (बी0एस0के0बरहड़वा) राघव कुमार (साहेबगंज कॉलेज साहेबगंज) प्रियंका कुमारी (गोड्डा) स्वाती दूबे, व शाहेना परवीन (गोड्डा महिला कॉलेज, गोड्डा) मोनिका हॉसदा व ज्योति कुमारी (के0के0एम0कॉलेज, पाकुड़) विदिशा राठौर,(जेएमएस कॉलेज, जामताड़ा) मो0 साजिद आलम व अगनेस सोरेन (मिल्लत कॉलेज, परसा)

पी0जी02008 के टापर्स

मो0कादिर, विभिषन कुमार तिवारी, राहुल कुमार, मोनालिसा आर्या, पुष्पेश कुमार सिंह, पायल कुमारी, प्राणमोय साहा व डोरोथी हॉसदा (सभी पी0 जी0 सेन्टर, दुमका) नीलिमा कुमारी, रुबी

कुमारी, पंडित मनोज कुमार, हृदय नाथ पाण्डेय व रजनी कुमारी (देवघर कॉलेज,देवघर) एवं कुमारी प्रीति अग्रवाल (ए0 एस0 कॉलेज, देवघर) नम्रता प्रदीप व विनय कुमार (साहेबगंज कॉलेज, साहेबगंज **पी0जी02009 के टापर्स** निरंजन कुमार नीरज, श्वेत प्रकाश शर्मा, शशिकान्त, इस्मत अफरोज, समां परवीन, अमृता भारती, रास बिहारी सिंह, तर्सीला मराण्डी (पी0जी0सेन्टर, दुमका) विजेन्द्र रंजन, प्रियंका कुमारी, चित्रा घोष, दाजी कुमारी, ऋचा शर्मा (देवघर कॉलेज, देवघर) एवं वेद राज आनन्द (ए0एस0कॉलेज, देवघर) मो0 अजीजुर्र रहमान, (साहेबगंज कॉलेज, साहेबगंज)

———————————————————————————————————————